Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

प्रशासन से गुहार लगाने के बाद खुद बंद रास्ते को खोलने की शुरू की पहल

दूनामानी के बुर्जुग व युवाओं ने पेश की मिसाल

मिसाल

मदकोट दूनामानी सड़क पर भारी बारिश के कारण मलबे में दब गई थी पैदल पुलिया

निर्मल भट्ट। विशेष रिपोर्ट।

पिथौरागढ़। मुंसयारी के दूनामानी के बुर्जुगों व युवाओं ने क्षेत्रीय प्रशासन व जिला प्रशासन को आइना दिखाते हुए पिछले सोलह जून को भारी बरसात के चलते बंद हुए पैदल रास्ते मदकोट दूनामानी पैदल रास्ते को खुद के प्रयासों से खोलना शुरू कर दिया है। वही इस काम में गांव के युवा और बुर्जुग पहल के लिए खुद कमर कसते नजर आते दिखाई दिये।

बता दें कि गांव के ग्रमीण लंबे समय से आपदा में ध्वस्त हुए इस पैदल मार्ग को शासन प्रशासन से ठीक करने की मांग करते आ रहे थे। लंबे समय से शासन प्रशासन के आश्वासनों को लेकर गांव के ग्रमीण खासी मायूसी से भरे नजर आ रहे थे। आखिरकार गांव के युवाओं व बुजुर्गो ने हिम्मत नही हारी और खुद बंद पड़े पैदल रास्ते को खोलने की मुहिम छेड़ डाली।

जानकारी के मुताबिक मदकोट दूनामानी सड़क पर भारी बारिश के कारण पैदल पुलिया मलबे में दब गई। यहां पर सभी आवागमन के रास्ते पिछले माह बीते सोलह जून को भारी बारिश के चलते बंद हो गये।

गांव के ग्रमीणों को आवागमन करने में खासी दिक्कतों से दो चार होना पड़ा। गांव के ग्रमीण पैदल रास्ते को खोलने के लिए शासन प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद इनकी समस्या का समाधान न किये जाने पर खासे मायूय दिख रहे थे। गाव के बुर्जुग शेर सिंह उम्र 65 साल ,नैन सिंह उम्र 70 साल ,पुष्कर सिंह उम्र 65 साल ,जसवंत सिंह उम्र 55 साल ,व गांव के युवाओं ने हाथ में गेती,बिलचा,कुदाल लेकर इस पैदल बंद पड़े रास्ते को खोलने के लिए कमर कस डाली है।

वही बार बार शासन प्रशासन से गुहार लगाने के बावजूद बंद पड़े पैदल रास्ते को खोलने के लिए गांव के ग्रमीणों ने जो बहादुरी दिखाई है वह क्षेत्रीय प्रशासन व जिला प्रशासन व संबिधित महकमें के लिए आइना दिखाने की भरसक पहल साबित होते नजर आ रही है।

न्यूज डायरी

फांसी लगने से हुई थी सचिन की मौत

संवाददाता काशीपुर। क्षत्रियनगर निवासी सचिन चौहान की मौत फांसी लगने से हुई थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और अपनी जांच के बाद पुलिस ने मामले को आत्महत्या माना है। कुंडा थाना क्षेत्र के क्षत्रियनगर निवासी 30 वर्षीय सचिन चौहान पुत्र खुशीराम की मंगलवार रात संदिग्ध परिस्थितियों में अपने घर में ही मौत हो गई थी। बुधवार सुबह उसका भाई नितिन व अन्य स्वजन शव लेकर श्मशान घाट पहुंचे। इस बीच मृतक के कुछ दोस्तों ने पुलिस को फोन कर बताया कि सचिन को अपने कुछ रिश्तेदारों से जान का खतरा था। उसकी मौत हत्या भी हो सकती है। ऐसी भी आशंका जताई कि सचिन को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किया गया होगा। गुरुवार सुबह आई सचिन की पोस्टमार्टम रिपोर्ट से स्पष्ट हुआ कि मौत की वजह फांसी लगना थी।

बाछम–खाती मार्ग का विरोध थमा, बनेगी सड़क

संवाददाता बागेश्वर। बाछम–खाती मोटर मार्ग निर्माण को लेकर विरोध थम गया है। किमी डेढ़ से दो तक निर्माण कार्य शीघ्र शुरू होगा। निर्माण के कारण खतरे की जद में आ रहे मकान मालिकों को दूसरे स्थान पर शिफ्ट किया जाएगा और उन्हें प्रतिमाह छह हजार रुपये मकान किराए के भी दिए जाएंगे। पीएमजीएसवाइ, ठेकेदार, ग्रामीणों के मध्य हुई सफल वार्ता के बाद सड़क निर्माण का रास्ता साफ हो गया है। ग्रामीणों और निर्माण एजेंसी के मध्यम कपकोट के ब्लॉक प्रमुख गोविद दानू ने मध्यस्थता की। उन्होंने कहा कि बाछम–खाती मोटर मार्ग के किमी पांच में कटान के दौरान बोल्डर और मलबा आने से ठेकेदार, विभाग व ग्रामीणों के बीच विवाद था।

बिग बाजार आपको कराता है दूसरे रिटेलर्स के मुकाबले सबसे अधिक बचत!

संवाददाता देहरादून। भारत की अग्रणी हाइपरमार्केट श्रृंखला बिग बाजार ने आज महीने की खरीदारी पर दूसरे रिटेलरों के मुकाबले देश की सबसे बड़ी बचत 'सबसे बड़ी सेविंग्स' की घोषणा की। ग्राहकों को महीने का सामान और जरूरी सामान अपने सबसे करीबी बिग बाजार स्टोर जाकर खरीदने या शॉप.बिगबाजार.कॉम, बिग बाजार एप और व्हाट्सएप पर ऑनलाइन खरीदने पर बड़ी बचत करने का मौका मिलेगा। फूड और दूसरी आवश्यक श्रेणियों में शानदार ऑफर्स वाली 'सबसे बड़ी सेविंग्स' 30 जून से 11 जुलाई, 2021 तक चलती रहेगी, जिसमें ग्राहकों को कम और किफायती दामों पर ग्रॉसरी, जूस फल और सब्जियां खरीदने का मौका मिलेगा। पिछले दो दशक से भी ज्यादा समय से बिग बाजार ने किफायत और आसानी से उपलब्धता पर जोर देकर भारतीय ग्राहकों के लिए खरीदारी और बेहतर बना दी है।

खोखली राजनीति कर विकास कार्य ना करें बाधितः बसंती

संवाददाता बागेश्वर। जिला पंचायत सदस्यों से वार्ता विफल होने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष बसंती देव ने चुप्पी तोड़ी है। उन्होंने कहा कुछ जिपं सदस्य गलत काम करवाने के लिए दबाव बनाने का प्रयास कर रहे हैं। उनके भ्रष्टाचार की खुद ही जांच चल रही है। सारे आरोप बेबुनियाद हैं। वह गलत कार्य कर जनता के धन का दुरुपयोग नहीं होने देंगी। जिन सदस्यों ने बात करनी है, वह सदन में सबके सामने करें।

गुरुवार को जिला पंचायत अध्यक्ष बंसती देव ने नौ जिला पंचायत सदस्यों के साथ पत्रकार वार्ता कर धरना प्रदर्शन कर रहे जिला पंचायत सदस्यों के सवालों के जवाब भी दिए। अध्यक्ष ने कहा कि दो बार धरना स्थल पर जाकर उनकी बात सुनी गई। सारे सवालों के जवाब पंचायत एक्ट दिखाकर दे दिए गए हैं। जिला पंचायत में सभी सदस्यों को बराबर धनराशि बांटी गई है। कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। अध्यक्ष ने कहा कि चुनाव नजदीक है। कुछ सदस्य राजनीतिक रोटियां सेंक ग्रामीण क्षेत्रों का विकास अवरुद्ध करने का काम कर रहे है। जनता सब देख रही है और इसका जवाब भी उन्हें देगी। काम कर रहे कर्मचारियों को डराया जा रहा है। जिला पंचायत में नियमानुसार कार्य होगा।

इस अवसर पर जिपं सदस्य जर्नादन लोहुमी, गोपाल किरमोलिया, प्रभा दानू, चंदन रावत, पूरन गढिघ्या, मदन लाल, नरेंद्र लाल, जिपंस भावना दोसाद के प्रतिनिधि भुवन दोसाद, जिपं सदस्य सुनीता के प्रतिनिधि जगदीश आर्या मौजूद थे।

हमें डॉक्टरों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए

संवाददाता देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति के प्रभात दंडरियाल और आरिफ वारसी ने एक सयुक्त प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए जनपद के उन सभी डॉक्टरों को जिन्होंने कोरोना काल में अपने सेवायें दीं उनके लिए कहा की समिति उनके उज्वल भविष्य की कामना करती है। इस अवसर पर दण्डरियाल और वारसी ने कहा कि हमें डॉक्टरों के योगदान को कभी नहीं भूलना चाहिए जिन्होंने संकट के समय जान हथेली पर रख कर लोगों को जीवन दान देने में मदद की। समिति के पदाधिकारियों ने प्रदेश सरकार से माँग की कि वह इस कोरोना काल में सक्रिय रहे डॉक्टरों को चिन्हित कर सम्मान देने का कार्य करे स्मरण रहे की पूरे देश में 1 जुलाई को डॉक्टर डे मनाया जाता है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्मदिन शिमला बाई पास रोड मेहूवॉला माफी कार्यालय मे पूर्व जिला अध्यक्ष देहरादून गुलफाम अली के नेतृत्व में विकास दिवस के रूप मे मनाया।

सिक्किम में उत्तराखंड के दो सपूत शहीद, आज विशेष विमान से पहुंचेगा पार्थिव शरीर

संवाददाता रानीखेत। पूर्वी सिक्किम में सेना का वाहन खाई में जा गिरा। हादसे में कुमाऊं रेजीमेंट के तीन जवान शहीद हो गए। इनमें एक ताड़ीखेत ब्लॉक व दूसरा रामनगर (नैनीताल) का जांबाज शामिल है। तीसरा जवान हरियाणा का है। हादसे में तीन अन्य जवान गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। दुर्घटना न्यू जवाहलाल नेहरू रोड पर हुई। यह मार्ग गंगटोक को सोमगो झील व भारत चीन सीमा के निकट नाथुला से जोड़ता है।

हादसे में शहीद हुए जांबाजों की पहचान सेवन–कुमाऊं के हिमांशु नेगी पुत्र हीरा सिंह नेगी वर्तमान निवासी हेमपुर पांडे कॉलोनी काशीपुर (ऊधम सिंह नगर) व सरना गांव ताड़ीखेत

ब्लॉक के बृजेश सिंह रौतेला पुत्र दलवीर सिंह के रूप में हुई है। सैन्य सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सेना के ट्रक में कुमाऊं रेजिमेंट के छह जवान सवार थे। ये गंगटोक की तरफ जा रहे थे। इसी दौरान वाहन असंतुलित होकर 600 फुट गहरे में जा गिरा। दुर्घटना में चालक और दो अन्य जवान शहीद हो गए। सेना, बीआरओ, पुलिस व स्थानीय लोगों ने दुर्गम क्षेत्र में खराब मौसम के बीच बचाव अभियान चलाया।

तीन घायल सैनिकों को गंगटोक के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया

तीन घायल सैनिकों को गंगटोक के सैन्य अस्पताल में भर्ती कराया। वहां से उन्हें सिलीगुड़ी (पश्चिम बंगाल) में उपचार को भेजा गया है। बताया जा रहा है कि जवानों का पार्थिव शरीर शुक्रवार दोपहर तक सेना के विशेष विमान से पंतनगर एयरपोर्ट पर लाया जाएगा। जहां से सड़क मार्ग से पार्थिव शरीर रानीखेत व रामनगर स्थित शहीदों के आवास पर ले जाए जाएंगे।

सेना मेडल विजेता पिता का बेटा ब्रिजेश बनना चाहता था कमांडो

संवाददाता ताड़ीखेत (रानीखेत)। भारतीय सेना की कुमाऊं रेजीमेंट के जांबाज बृजेश सिंह रौतेला (23) की शहादत की खबर मिलते ही उसके पैतृक गांव सरना गमगीन हो उठा। परिजनों में कोहराम मच गया। मां बेटे को खोने के गम में गश खाकर गिर पड़ी। जवान के निधन की सूचना के बाद से जिलेभर में शोक की लहर है। फौजी पिता के वीर पुत्र बृजेश सिंह में सैनिक बन देशसेवा की ललक बचपन से ही थी। 17 वर्ष चार माह की उम्र में उसने पहले ही प्रयास में ऐतिहासिक सोमनाथ मैदान में सेना भर्ती रैली के दौरान दौड़ पूरी कर ली थी।

अकेला कमाऊ पूत था शहीद हिमांशु

काशीपुर। सिक्किम में शहीद हुए जवान हिमांशु नेगी घर में अकेला कमाने वाला था। हिमांशु का एक भाई दिव्यांग है और दूसरे का एक हाथ खराब है। छोटी बहन बीएससी में पढ़ रही है। हिमांशु के शहीद होने की सूचना से परिवार गम में डूब गया है। हिमांशु के पिता हीरा सिंह नेगी ने बताया कि 27 मार्च 2019 को हिमांशु कुमाऊँ रेजीमेंट में बतौर सिपाही भर्ती हुआ था।